कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–003

एम. ए. (वैदिक अध्ययन) (एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–003 : आरण्यक एवं उपनिषद्

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 15 = 60$

1. ऐतरेय आरण्यक की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

2. कूष्माण्ड होम के प्रसंग में किसी कारिका को उदाहरण मानकर पढ़े हुए अंश के आधार पर वर्णन कीजिए।

3. कूष्माण्ड होम में स्तुति, होम विधान, उपस्थापन आदि का वर्णन कीजिए।

4. बृहदारण्यक उपनिषद् के वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

5. छान्दोग्य उपनिषद् के सातवें अध्याय में आपने क्या पढ़ा है ? वर्णन कीजिए।

6. छान्दोग्य उपनिषद् के छब्बीसवें खण्ड में विवेचित आत्मविद्या और उसके फल का वर्णन कीजिए।

7. ऐतरेय उपनिषद् के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिए।

8. सामवेदीय उपनिषद् कौन-कौन से हैं ? केनोपनिषद् के बारे में आप क्या जानते हैं ? वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. छान्दोग्य उपनिषद् के तृतीय अध्याय के विभाजन सहित विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

2. सत्यकाम-जाबाल संवाद का वर्णन कीजिए।

3. राजा जानश्रुति एवं रैक्व के संवाद का वर्णन कीजिए।

4. केनोपनिषद् के तृतीय खण्ड में क्या वर्णन है ? उल्लेख कीजिए।

5. 'केनेषितं प्रेषितं मनः' का विवेचन कीजिए।

6. यम-नचिकेता की कथा के विषय में आप किस उपनिषद् को जानते हैं ? अपने शब्दों में लिखिए।

7. तैत्तिरीय उपनिषद् की शिक्षा वल्ली का प्रतिपाद्य लिखिए।

8. माण्डूक्य उपनिषद् में आपने क्या पढ़ा है ? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

× × × × × × ×